This question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5684**

Unique Paper Code : **205639** **E**

Name of the Paper : **Hindi A**

Name of the Course : **B.A. (Programme)**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

(क) (*i*) विहग औ विटपी-कुल मौनता ।

प्रकट थी करती इस मर्म्म को ॥

श्रवण को यह नीरव थे बने ।

करुण अंतिम-वादन वेणु का ॥

(*ii*) बहु-विनोदित थीं ब्रज-बालिका ।

तरुणियाँ सब थीं तृण तोड़ती ।

बलि गईं बहु बार वयोवती ।

छवि विभूति विलोक ब्रजेंदु की ॥

P.T.O.

(ख) किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10,10

(*i*) चाहे हमारा सर्वस्व नाश हो जाय परंतु आकल्पांत लोह लेखनी से हमारी यह प्रतिज्ञा दुष्ट यवनों के हृदय पर लिखी रहेगी । धिक्कार है उस छत्रियाधम को जो इन चांडालों के मूल नाश में न प्रवृत्त हो । शत बार धिक्कार है सहस्र बार धिक्कार है उसको जो मनसा वाचा कर्मणा किसी तरह इन कापुरुषों से डरै । लक्ष बार कोटि बार कोटि बार धिक्कार है उसको जो इन चांडालों के दमन करने में तृण् मात्र भी त्रुटि करै ।

(*ii*) ओह, एक व्यक्ति के सुझाव के लिए हम समाज को क्यों नुकसान पहुँचाएँ । और इसका क्या निश्चय कि विवाह के समय यदि दोनों में मानसिक संतुलन है तो विवाह के बाद भी रहेगा ही । मानसिक संतुलन और प्रेम जितना अपने मन पर आधारित होता है उतना ही बाहरी परिस्थितियों पर । क्या जाने ब्याह के वक्त की परिस्थिति का दोनों के मन पर कितना प्रभाव है और उसके बाद संतुलन रह पाता है या नहीं ।

(*iii*) जीवन में अलगाव, दूरी, दु:ख और पीड़ा आदमी को महान बना सकती है । भावुकता और सुख हमें ऊँचे नहीं उठाते । बताओ, सुधा, तुम्हें क्या पसंद है ? मैं ऊँचा उठूँ तुम्हारे विश्वास के सहारे, तुम ऊँची उठो मेरे विश्वास के सहारे, इससे अच्छा और क्या है सुधा ! चाहो तो मेरे जीवन को एक पवित्र साधन बना दो, चाहो तो एक छिछली अनुभूति ।

2. 'नीलदेवी' के प्रतिपाद्य पर विचार कीजिए । 12

अथवा

'नीलदेवी' के प्रमुख पुरुष पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

3. 'प्रियप्रवास' में निहित आधुनिक चेतना का विश्लेषण कीजिए । 12

अथवा

'प्रियप्रवास' के आधार पर कृष्ण का चरित्रांकन कीजिए ।

4. 'गुनाहों का देवता' शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए । 12

अथवा

'गुनाहों का देवता' के आधार पर 'चंदर' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित अवतरण के आधार पर 'नीलदेवी' की नाट्य-भाषा का विवेचन कीजिए : 9

मैंने देखा कि अब तो बेतरह फँसे मगर वल्लाह मैं भी अपने कौम और दीन की इतनी मज़म्मत और हिंदुओं की इतनी तारीफ की कि उन लोगों को छोड़ते ही बन आई । ले ऐसे मौके पर और क्या करता ?

अथवा

(ख) निम्नलिखित अवतरण के आधार पर 'गुनाहों का देवता' की कथा-भाषा की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए :

अगर एक फूल के खूबसूरत होने के लिए आदमी की जिंदगी में इतनी बड़ी ट्रेजेडी आना जरूरी है तो लानत है उस फूल की खूबसूरती पर । मैं उससे नफरत

करती हूँ । इसीलिए मैं किताबों से नफरत करती हूँ । एक कहानी लिखने के लिए कितनी कहानियों की ट्रेजेडी बर्दाश्त करनी होती है ।

अथवा

(ग) निम्नलिखित अवतरण के आधार पर 'प्रियप्रवास' की काव्य-भाषा का विश्लेषण कीजिए :

प्रथम ही तम की करतूत से ।
छवि न लोचन थे अवलोकते ।
अब निनाद रुके कल-वेणु का ।
श्रवण पान न था करता सुधा ॥